878/868

दैनिक जागरण
जागरण सिटी
पृ० 3
16-05-2014

शुरू करें अरहर व कपास की बुवाई

बढ़ रहे तापमान सहित मौसम से जुड़े अन्य कारकों को ध्यान में रखते हुए पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी है कि अरहर व कपास की बुवाई इस सप्ताह शुरू की जा सकती है। लेकिन ध्यान रहे कि बीज किसी प्रामाणिक स्रोत से ही लें। साथ ही वे बीजों को बोने से पहले उनका उपचार अवश्य कर लें। इससे बीजों में अंकुरण और उत्पादन में वृद्धि होती है। अरहर की उन्नत किस्मों में पूसा 2001, पूसा 9991 व पूसा 992 शामिल हैं।

इस मौसम में बेल वाली फसलों में न्यूनतम नमी बनाएं रखें, अन्यथा मिट्टी में कम नमी होने पर परागण पर असर हो सकता है, जिससे फसल में उत्पादन कम होने की आशंका होगी। सब्जियों की सभी फसलों में हल्की सिंचाई कम अंतराल पर करें।

ध्यान रखें कि सिंचाई सुबह या शाम के समय ही करें। ग्वार, मक्का, बाजार, लोबिया आदि चारा फसलों की बुवाई इस सप्ताह की जा सकती है। बुवाई के समय खेत में पर्याप्त नमी का होना जरूरी है। बीजों को तीन से चार सेंटीमीटर गहराई पर डालें और पंक्ति से पंक्ति की दूरी 25 से 30 सेंटीमीटर की रखें। सनई की बीज दर 60 से 70 व ढैंचा की बीज दर 50 से 60 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है।

भिंडी की फसल में तुड़ाई के बाद यूरिया की पांच से दस किलोग्राम मात्रा प्रति एकड़ की दर से खेत में डालें और माइट कीट की निगरानी करें। अधिक कीट पाए जाने पर इथियान की डेढ़ से दो मिलीलीटर की मात्रा को एक लीटर पानी में मिलाकर तैयार घोल का छिड़काव करें। बैंगन व टमाटर की फसल को प्ररोह व फल छेदक कीट से बचाव के लिए ग्रसित फलों तथा प्ररोहों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड कीटनाशी 48 ईसी की एक मिलीलीटर मात्रा को चार लीटर पानी के साथ मिलाकर छिड़काव करें। जिन किसान भाइयों को प्याज फसल की खुदाई करनी हो, वे फसल में पानी देना बंद कर दें और खुदाई व रचाई खेत स्तर पर शुरू कर दें। रबी फसल की कटाई के बाद खाली खेतों की गहरी जुताई करें। जुताई के बाद खेतों को खुला छोड़ दें ताकि सूर्य की तेज धूप से गर्म होने के कारण इसमें छिपे कीड़ों के अंडे तथा घास के बीज नष्ट हो जाएं।

किसानों को सलाह देते हुए वैज्ञानिकों का कहना है कि इस मौसम में किसान अपनी मिट्टी की जांच किसी प्रामाणिक श्रोत से कराएं और जहां संभव हो अपने खेत का समतलीकरण कराएं।

अनाज को भंडारण में रखने से पहले भंडार घर की अच्छी तरह सफाई करें तथा अनाज को अच्छी तरह सुखा कर रखें। कूड़े कचड़े को जलाकर या दबाकर नष्ट कर दें। भंडार घर की छत दीवारों व फर्श पर एक भाग मेलाथियान 50 ईसी को सौ भाग पानी के साथ दीवारों व फर्श पर छिड़काव करें। पुरानी बारियां यदि प्रयोग करने की नौबत आ जाए तो उन्हें भी एक भाग मेलाथियान व सौ भाग पानी के घोल में दस मिनट तक रखें और छायादार स्थान में बोरे को सुखा लें।

सुनीता गुप्ता
छायाप
प्रभारी, पत्रिका एवं समाचार पत्र अनुभाग

प्रतिलिपि:-
1. निदेशक के कार्यालय
2. संयुक्त निदेशक (प्रसार)
3. अधिष्ठाता/संयुक्त निदेशक (शिक्षा)